











## विश्व राजनीति भारत का बढ़ा कद

विश्व राजनीति में भारत का कद बढ़ा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का मानना है कि इसका कारण भारत के प्रति उपरिवर्तन की उपरिवर्तन की उपरिवर्तन है। यह उस भावना का प्रतीक है जो चुनौतियों को अवसरों में बदलने को तैया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत के बारे में तकनीकी प्रगति, समावेशी प्रशासन तथा रणनीतिक राजनय से परिवर्तन करारी तुलना के दृष्टिकोण में असाधारण परिवर्तन आया है। उन्होंने जोर दिया कि पिछले दशक में राष्ट्र के विकास से सबके दृष्टिकोण में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। उन्होंने संकेत किया कि भारत के बारे में वैश्विक विश्व बल बढ़ा है। उन्होंने जोर दिया कि भारत के बारे में वैश्विक विश्व बल बढ़ा है। उन्होंने संकेत किया कि भारत के बारे में मूलभूत परिवर्तन का कारण केवल अर्थिक प्रगति या तकनीकी खोज न होकर दृष्टिकोण में परिवर्तन है। इस व्यापक परिवर्तन पर सारी दुनिया का ध्यान गया है तथा विश्व मंच पर भारत की उल्लेखनीय प्रगति की चर्चा तेज हो गई है। भारत के परिवर्तन में एक प्रमुख तत्व तकनीक की प्रभावी प्रयोग है। जयशंकर ने महत्वपूर्ण मौल के पश्चात के रूप में 'आधार' की व्यापक स्वीकार्यता तथा बड़ी संख्या में बैंक खाते खोलना बताया है। तकनीकी समन्वय के साथ इन बहानों से न केवल प्रशासन बदल हुआ है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के प्रभावी प्रयोग है। जयशंकर ने इसका संकेत किया कि भारत की चुनौतियों का विश्व स्तर पर साझा किया जाता है।

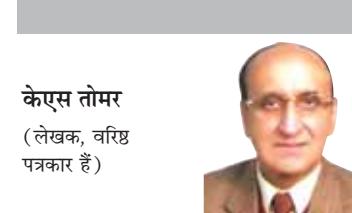
जयशंकर ने भारत के समक्ष चुनौतियों की सार्वभौमिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि विदेश मंत्री विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चर्चा तेज हो गई है। भारत के परिवर्तन में एक प्रमुख तत्व तकनीक का प्रभावी प्रयोग है। जयशंकर ने महत्वपूर्ण मौल के पश्चात के रूप में 'आधार' की व्यापक स्वीकार्यता तथा बड़ी संख्या में बैंक खाते खोलना बताया है। तकनीकी समन्वय के साथ इन बहानों से न केवल प्रशासन बदल हुआ है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के प्रभावी प्रयोग है। विदेश मंत्री ने स्वास्थ्य, पानी, बिजली व शामिल होने वाले सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा है कि भारत की चुनौतियों का विश्व स्तर पर साझा किया जाता है।

जयशंकर का कथन व्यापक रूप से सही है। धोरण समस्याओं और वैश्विक नीतियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण में अंतर आया है और वर्तमान में वास्तव में 'न्यू इंडिया' उभरा है। विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों तथा वहाँ नौकरी व रोजगार की ललाश में जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने भारत को सारी दुनिया के लिए अपनी अद्यतामूलक रूप में प्रस्तुत किया है। ऐसे सबले साल ने अपनी अद्यतामूलक रूप में जी-20 संबंधी बैठकों का आयोजन देश के अनेक भागों में किया जिससे उनमें शामिल होने वाले लोगों को भारत की विविधता व सामावेशी भावना से परिवर्तित होने का अवसर मिला है। जी-20 में पहले ही दिन घोषणापत्र पर सवानुमति बना कर भारत ने अपनी राजनीयका प्रतिभाव और समावेशी प्रकृति का उदाहरण पेश किया था। हाल ही आयोजित कांप-28 में भी भारतीय वार्ताकारों ने विकसित देशों के बीच सामाजिक और आर्थिक विविधताओं के समाधान हेतु सेतु बनाने का काम किया है। अब तो भारत के कट्टर विवेशी चीन के मुख्यपत्र 'लोलबल टाइम्स' ने भी मोदी की राजनय की प्रशंसा की है। भारत के विश्व विवादी में बढ़ते कद का यह भी एक प्रमाण है। भारत की युवा पीढ़ी आज पहले के किसी भी समय की तुलना में अपने तथा देश के विविधतों के प्रति विश्वास से भरी है।

प्रकार पाकिस्तान के चीन के शिक्षक से

## भारत के समक्ष राजनीतिक चुनौतियां

इस वर्ष भारत के समक्ष विदेश नीति में काफी चुनौतियां हैं। इनका संबंध सार्क देशों व चीन के बढ़ते प्रभाव से है। सार्क देशों में चीन के बढ़ते निवेश तथा उनको कर्ज के जाल में फँसाने के प्रयासों पर हमें गौर करना होगा।



वर्ष 2024 में वर्तमान भारतीय विदेश नीति के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं। चीन का बढ़ता प्रभाव चित्ताजनक है जबकि वह दृष्टिकोण में अपनी चुप्पी घुसपैठ बढ़ा रहा है। जिसमें अफगानिस्तान, बांगलादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान व श्रीलंका शामिल हैं। इनका संबंध उसकी खतरनाक 'कर्ज जाल नीति', विस्तारावाद तथा बैल एंड रोड फ़ाइल - 'वन बैल बन रोड' के माध्यम से अनेक देशों को ललचाना है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है, लेकिन खाइं काफी बड़ी है। इसके साथ ही भारत के समय के बढ़ते निवेश देशों का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का अपने तथा उनकी चुनौतियों को ललचाना है।



वर्ष 2024 में वर्तमान भारतीय विदेश नीति के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं। चीन का बढ़ता प्रभाव चित्ताजनक है जबकि वह दृष्टिकोण में अपनी चुप्पी घुसपैठ बढ़ा रहा है। जिसमें अफगानिस्तान, बांगलादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान व श्रीलंका शामिल हैं। इनका संबंध उसकी खतरनाक 'कर्ज जाल नीति', विस्तारावाद तथा बैल एंड रोड फ़ाइल - 'वन बैल बन रोड' के माध्यम से अनेक देशों को ललचाना है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है, लेकिन खाइं काफी बड़ी है। इसके साथ ही भारत के समय के बढ़ते निवेश देशों का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का अपने तथा उनकी चुनौतियों को ललचाना है।

पाकिस्तान में उथलपुथल जारी है। वर्ष 2024 पर सरसरी नजर डालने से स्पष्ट होता है कि चीन अपनी 'कर्ज जाल नीति' को ललचाना करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर्जा बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार को ललचाना करते हुए विविधता के अनुकूल होती है। विदेश मंत्री नीति विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की चुनौतीय परिवर्तन के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का अर्थिक विविधता के अनुकूल होती है। इसमें भारतीय वार्ताकारों ने जाने वाले लोगों को भी लगता है कि पिछले दशक में विश्व विवादी में भारत का दर











